

जापान क्र. - 962

Date - 9/4/24

अनुसूची 21-प्रथम भाग 112

सम्पत्ति अवभार-प्रमाणपत्र

प्रमाण पत्र क्र. 810
प्लॉट नं. 1294 (अनुराधापुर) के सम्बन्ध में निम्नलिखित सम्पत्तियों का और अवभारों का सतिवरण प्रमाण-पत्र दिया गया है।
(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण है)

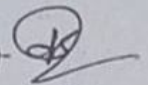
इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त सम्पत्ति को प्रमाणित करने वाले सम्पत्तियों और अवभारों के बारे में बही 1 में और उक्त सम्पत्तियों अनुक्रमणियों में ता. 11.11.24 में जल नाले के पास निम्न सम्पत्तियों और अवभारों का पता पता है।

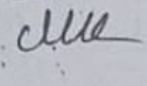
क्र. सं.	क) संपत्ति का विवरण	विस्तार की सीमा	घ) दस्तावेज प्रकार और मूल्य	पत्तों के नाम		दस्तावेज की प्रतिलिपि के सति विवरण		
				विस्तार	रकबा	खंड 11	12	13
	Mouza no-08, Sarsaidhela, (Mouza no-384 (New), 78 (1A) Plot no-1294 (अनुराधापुर), 547 (1A), Area 10.32 Acre							
	<i>Mitt</i>							

क) दस्तावेज को अनुसार विवरण दर्ज करें। Raj Kumar Chatterjee
 घ) 1. प्रमाण-पत्र की दशा में ध्यान की दर और शुभता की अवधि दर्ज करें; दर्शाएँ, कि इनके बारे में उल्लेख है।
 2. पट्टा की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक सगाव दर्ज करें।

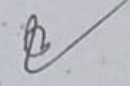
में यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त संभव्यता और अवधारणा पर जोड़, उभरा तापति की प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संभव्यता और अवधारणा पर पता नहीं पता है।

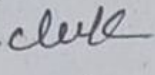
निम्न व्यक्ति ने तलाशी की और प्रमाण-पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर) 

(पदनाम) 

तलाशी का प्रमाणपत्र और प्रमाणपत्र की नौकरी निम्न व्यक्तियों ने की

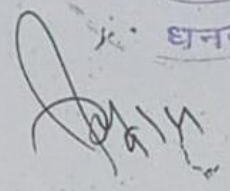
(हस्ताक्षर) 

(पदनाम) 

पर्यालय *Dist sub Registrar Dhondald*

तारीख *9/1/17*





गुहर

विभाग पदाधिकारी का हस्ताक्षर

1) विषय - इस प्रमाणपत्र में जो संभव्यता और अवधारणा दिखाने वाले हैं वे आवेदक द्वारा गंगा प्रस्तुत तापति विवरण के अनुसार प्राप्ते गये हैं। यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से निम्न विवरण देकर किन्हीं इन्हीं सम्पत्तियों को निरन्तरित करतावेला तो- दिवाण-मया-हो-तो-वैली-दस्तावेजों-से प्रमाणित संभव्यता (इन्वेन्टराना) इस प्रमाण पत्र में शामिल न किये जायेगे।

2) निम्नलिखित अधिनियम की धारा 47 के अधीन जो व्यक्ति रहेंगे और अनुक्रमणियों (इन्वेन्टर) की प्रविष्टियों देवना पाठो हो, अथवा जो उनका प्रतिनिधि सेवा पाठो हो अथवा इन्हे विनिश्चित तापतियों के अवधारणा के प्रमाणपत्रों की उत्तरत हो उन्हें सलाही स्तर रहना होगा। विहित कीमत पर गुप्तता करने पर रहिया और अनुक्रमणियों उनके तामने रख दी जायेगी।

क) किन्तु चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपने तलाशी वाली की है, इसलिए पर्यालय में उपस्थित तलाशी अपने परराज सादरगती के भी है। फिर भी विभाग प्रमाणपत्र में दिये गये तलाशी परिणाम की विषयी गूढ के लिए किसी भी तरह जिम्मेदार नहीं होगा।

घ) और चूंकि गतमान मामले में आवेदक ने उपस्थित तलाशी रूप की है और चूंकि उसी द्वारा पड़े गये सम्पत्तियों और अवधारणा के साक्षात्पत्र के बाद प्रमाणपत्र में दिया गया है। इसलिए विभाग आवेदक द्वारा न किये गये ऐसे सम्पत्तियों और अवधारणा की घूट के लिए किसी भी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त तापति पर प्रभाव पड़ता है।

*Search by me
Rajesh Chitambar*